



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 323]

मई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 31, 1982/आषाढ 9, 1904

No. 323]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 31, 1982/SRAVANA 9, 1904

इस भाग में टैब्सन पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि पहले अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 31 जुलाई 1982

आधिकार

का.मा. 546(अ) :—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर प्राधिकार संघीयता का प्रयोग करते हुए आयकर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम घोषित है, आधिकारित :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर (आठवां संशोधन) नियम, 1982 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन के तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. आयकर नियम, 1962 में (जिसे इसके पश्चात् मूल नियम कहा गया है) नियम 48ष के पश्चात् निम्नलिखित नियम संघीयता प्राप्त किया जावेगा, आधिकारित :—

“48 एवं : विवरण आरा 269 काल के अधान संक्षम प्राधिकार के पास रजिस्ट्र कृत किया जावेगा।

(1) आरा 269 काल की उपधारा (2) के अधीन संक्षम प्राधिकारी के पास रजिस्ट्र कृत किये जाने के लिये अपेक्षित विवरण प्रकृत

सं. 37 डॉ में होंगा। और उस आरा की उपधारा (1) में निविष्ट संव्यवहार के प्रत्येक पक्षकार द्वारा या ऐसे संव्यवहार के किसी पक्षकार द्वारा, जो अपने और से या अन्य पक्षकारों को और से कार्य कर रहा है, हस्ताक्षरित और उसमें उपर्युक्त शाति से संस्थापित किया जावेगा।

(2) प्रकृत 37 डॉ में विवरण वाले प्रतियों में दिया जावेगा और संक्षम प्राधिकारी को उस तारीख से तेस विन की अवधि के भीतर दिया जावेगा जिसको आरा 269 काल की उपधारा (1) में निविष्ट संव्यवहार किया जाता है :

परन्तु किसी ऐसे संव्यवहार के संबंध में जो 1 जुलाई, 1982 और आयकर (आठवां संशोधन) नियम, 1982 के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के बात किया गया है, इस उपर्युक्त के उपबन्ध इस प्रकार प्रभाव, होंगे मानो “तोस दिन” शब्दों के स्थान पर “साठ दिन” शब्द रखे गये हों।

(3) जहाँ संक्षम प्राधिकार यह समझता है कि आरा 269 काल की उपधारा (2) के प्रक्षेत्र दिया गया प्रकृत 39 डॉ में विवरण सुनिपूर्ण है वहाँ वह, यथाविवित, ऐसा विवरण देणे वाले पक्षकारों या पक्षकार को कृषि के विषय में संमुचित कर सकेगा और उस्में ऐसा संयुक्ता के भवित्व दिन के भीतर या ऐसा अतिरिक्त अवधि के भीतर जा सकने प्राधिकार, इस निमित्त किये गये आवेदन पर स्विवेकानुसार अनुशासन करे, कृषि को सुधारने का अवसर देगा और यदि उस कृषि को,

यथास्थिति, पद्धति द्वारा इस प्रकार अनुग्रह अवधिक्रम के भान्तर सुधारा नहीं जाता है तो इस विषय के लिया अन्य उपचार में किसी बात के छोटे हुए भी प्रका 37 डॉ में विवरण को अधिकारिय विवरण माना जायेगा और इस अधिनियम के उपचार इस प्रकार लागू होंगे मात्रा संश्वहार के पक्षकारों ने धारा 269 कब्जे के उपचारों का अनुग्रहन नहीं किया है।

(4) सक्षम प्राधिकार, यथास्थिति प्रका 37 डॉ में विवरण अपने हारा प्राप्त करने या उपनियम (3) में शृंखलों के सुधारे जाने का तारीख में साठ दिन का अवधि के भान्तर धारा 269 कब्जे के अधीन विवरण को जिम्मेदार करने का प्रारंभ देगा और यदि उक्त साठ दिन के भान्तर सक्षम प्राधिकारा द्वारा ऐसा कार्ड प्रारंभ नहीं किया जाता है तो विवरण धारा 269 कब्जे के प्रधान उस तारीख का रजिस्ट्रेशन समझा जायेगा जिसका उक्त साठ दिन का अवधि समाप्त होता है।"

3. सूल नियमों के उपचार 2 में प्रक्षय स० 37 डॉ के पश्चात् निम्नलिखित प्रहर अनुस्थिति किया जायेगा, अर्थात् --

"प्रक्षय स० 37 डॉ
[नियम 48 घर देखिया]

सक्षम प्राधिकारी के पास अत्यकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब्जे (2) के अधीन रजिस्ट्रेशन किया जाने वाला विवरण—

1. अन्तरक का नाम और पता

2. अन्तरित का नाम और पता

3. (३) अन्तरित सपत्ति का विस्तृत वर्णन, अवस्थिति और उसका अन्य विविधिया

4. भूमि मुक्त धूति है या पट्टाधूति

5. भवन को दशा में,—

(क) प्रतिनियन कुर्मी औत्र (विषय परिया)

(ख) वह वर्ष या वेवर्ष, जिसमें या जिसमें भवन संश्वित हुआ था।

6. जहा सपत्ति अन्तरण में धारा 269 कब्जे (1)(क) में निश्चिप्ट प्रकृति या संश्वहार अन्तरित है—

(क) अन्तरण का तारीय

(ख) वह तारीख जिसका सपत्ति का कब्जा अनुसितों द्वारा लिया गया था।

यदि ऊर (ख) में को तारीख ऊर (क) में को तारीख से पूर्ववर्ती है और अन्तरित सविदा के भायिक पालन में सपत्ति का कब्जा प्रतिनियन करता है और सविदा को अग्रसर करने के लिये कुछ अन्य कार्य करता है तो—

(i) सविदा को अग्रसर करने के लिये अन्तरित द्वारा किये गये कार्य को प्रकृति;

(ii) वह तारीख जिसका अन्तरितों द्वारा ऐसा कार्य किया गया था। (सविदा का एक प्रति भा मलगत करे)

7. जहा सपत्ति के अन्तरण में, धारा 269 कब्जे (1) (ख) में निश्चिप्ट प्रकृति का संश्वहार अन्तरित है—

(क) सहकारी समाइटों, करनों अन्य व्यक्ति सपत्ति का नाम और पता

(ख) सहकारी समाइटों, करनों या अन्य व्यक्ति सपत्ति का मद्दम्य अनन्य और/या घोषर अर्जित करने का तारीख

(ग) शेषरों को मेल्या और उनका अकिञ्च मूल्य

(घ) यदि अन्तरण, राहगारा समाइटों, करनों या अन्य व्यक्ति सपत्ति सपत्ति में शेषरों के अन्तरण से भिन्न रूप में है तो—

(i) उस कार्य का प्रकृति, जिसका प्रवाथ सपत्ति अन्तरण का या उसके उपभोग के लिये समर्थ बनाता है।

(2) वह तारीख जिसका ऐसा कार्य किया गया था (करार और ठड़कार का घोर्ने अविकित करने हुए एक विवरण मनमें करे)।

8. सपत्ति के अधिवासा व्यक्ति (अकिञ्चों) का, यदि काई है, नाम और पता।

9. *सपत्ति में हितबद्ध किस अन्य व्यक्ति (किन्हीं अन्य व्यक्तियों) का नाम और पता।

10. अन्तरण के लिये प्रतिफल।

11. सपत्ति का प्राक्कलित उचित बाजार मूल्य।

12. यदि अन्तरण विनियम के रूप में है तो उस वस्तु या उस वस्तुओं का वर्णन और उसका अवस्थिति, जिसके लिये सपत्ति का विवियम किया जाता है।

13. € स्ट्रेंग 12 के सामने उल्लिखित वस्तु या वस्तुओं का उचित बाजार मूल्य।

14. यदि अन्तरण के लिये प्रारंभिक, प्राक्कलित उचित बाजार मूल्य से कम है तो क्या अन्तरितों अन्तरक का नामेवार है और यदि ऐसा है तो नामेवार का उल्लेख करे और यह उल्लेख करे। को क्या ऐसे प्रतिफल के लिये जो उचित बाजार मूल्य में कम है, अन्तरण नैमित्तिक प्रेम और स्नेह के कारण है।

विवरण देने वाले व्यक्ति (व्यक्तिया) का/के हस्ताक्षर।

संस्थापन

मेर/हम-----हाँके द्वारा घोषणा करता हूँ/ करने हैं कि जो कुछ ऊर कहा गया है वह मेर/हमारे सर्वोच्च सान और क्षितियां के अनुमार सही है।

आज तरीख——को संस्थापित।

हस्ताक्षर

टिप्पणी

1. (३) यदि स्थान अपवर्जित है तो इस प्रयोग के लिये पृथक सलगनको का प्रयोग करे।

2. **हितबद्ध व्यक्ति** के अन्तर्गत स्थावर सपत्ति के सबध में वे सभी व्यक्ति हैं जो आयकर अधिनियम, 1961 के अध्याय 20 के अधान उस सपत्ति के अर्जन के कारण संदेश प्रतिकर में हित का दावा करते हैं या दावा करने के हकदार हैं।

3. इक्सिएट स्थावर सपत्ति के सबध में "उचित बाजार मूल्य" से अधिग्रेत है वह कामत जो खुले बाजार में ऐसी सपत्ति के अन्तरण का लिखत के निष्पात का तारीख का खुले बाजार में उस स्थावर सपत्ति के विक्रय करने पर मामूला तार पर प्राप्त है।

4. उस विवरण पर आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 269 कब्जे (1) में विनियोग संश्वहार के प्रत्येक पक्षकारों द्वारा या स्वयं का आय से और अन्य पक्षकारों का और से कार्य कर रहे हैं वे परिवर्तन किसी भा पक्षकार द्वारा हस्ताक्षर किया जाना चाहिये। यदि विवरण पर ऐसे पक्षकारों से से किसी एक द्वारा है हस्ताक्षर किया जाता है तो अन्य

पक्षकारों को आरं ऐसे कार्य करने के प्राधिकार के सामिल करने वाले दस्तावेज का एक प्रशंसित प्रति मरमान का जाना चाहिये।

5. सत्यापन विवरण पर हताकार करने वाले मरमान पक्षकारों द्वारा किया जाना चाहिये।

6. विवरण दा प्रतियो में किया जाना चाहिये और उसके साथ यात्रामूल्य उम सविदा का, जिसके परिणामस्वरूप आयकर अधिनियम, 1961 का धारा 264 कब (1)(ब) में निर्दिष्ट प्रकृति का सव्यवहार या करार या ठहराव का गतों का प्राधिकार करने वाले विवरण का जिसके परिणामस्वरूप उम अधिनियम का धारा 264 कब (1)(ब) में निर्दिष्ट प्रकृति के सव्यवहार हुआ है, दा प्रतियो सत्यापन का जाना चाहिये।"

[सं 4446 (कांस० 30/भव्य/81-ट०प०ग्र० (भाग)]

इंकोर्फोर्म, सन्निध

**MINISTRY OF FINANCE
CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES**

New Delhi, the 31st July, 1982

INCOME-TAX

S.O. 546(E).—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Eighth Amendment) Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Income-tax Rules, 1962 (hereinafter referred to as the principal rules), after rule 48D, the following rules shall be inserted, namely :—

"48DD. Statement to be registered with the competent authority under section 269AB.

(1) The statement required to be registered with the competent authority under sub-section (2) of section 269AB shall be in Form No. 37EE and shall be signed and verified in the manner indicated therin by each of the parties to the transaction referred to in sub-section (1) of that section or by any of the parties to such transaction acting on behalf of himself and on behalf of the other parties.

(2) The statement in Form No. 37EE shall be made in duplicate and shall be furnished to the competent authority within a period of thirty days from the date on which the transaction referred to in sub-section (1) of section 269AB takes place.

Provided that in relation to any such transaction which has taken place between the 1st day of July, 1982 and the date of the publication of the Income-tax (Eighth Amendment) Rules, 1982 in the Official Gazette, the provisions of this sub-rule shall have effect as if for the words "thirty days" the words "sixty days" had been substituted.

(3) Where the competent authority considers that the statement in Form No. 37EE furnished under sub-section (2) of section 269AB is defective, he may intimate the defect to the parties or, as the case may be, the party furnishing such statement and give them an opportunity to rectify the defect within a period of fifteen days from the date of such intimation or within such further period which, on an application made in this behalf, the competent authority may, in his discretion, allow; and if the defect is not rectified within the period of fifteen days or, as the case may be, the further period so allowed, then, notwithstanding anything contained in any other provision of this rule, the statement in Form No. 37EE shall be treated as an invalid statement and the provisions of the Act shall apply as if the parties to the transaction had not complied with the provision of section 269AB.

(4) The competent authority shall, within a period of sixty days from the date of the receipt by him of the statement in Form No. 37EE or, as the case may be, from the date of the rectification of the defects under sub-rule (3), make an order registering the statement under section 269AB; and if no such order is made by the competent authority within the said period of sixty days, the statement shall be deemed to have been registered under section 269AB as on the date on which the said period of sixty days expires."

3. In Appendix II to the principal rules, after Form No. 37F, the following form shall be inserted, namely :—

"FORM NO. 37EE"

[See rule 48DD]

**STATEMENT TO BE REGISTERED WITH THE
COMPETENT AUTHORITY UNDER SECTION
269AB (2) OF THE INCOME-TAX**

ACT, 1961

1. Name and address of the transferor
2. Name and address of the transferee
3. @ Detailed description, location and other particulars of the property transferred.
4. Whether land is freehold or leasehold
5. In the case of building—
 - (a) floorwise plinth area
 - (b) year or years in which the building was constructed.
6. Where the transfer of property involves transaction of the nature referred to in section 269AB(1)(a)
 - (a) date of transfer
 - (b) date on which possession of the property was taken by the transferee.
If the date at (b) above is prior to the date at (a) above and the transferee retains the possession of the property in apt performance of the contract and does some other act in furtherance of the contract :—
 - (i) the nature of the act performed by the transferee in furtherance of the contract ;
 - (ii) the date on which such act was performed by the transferee. (Also attach copy of the contract)
7. Where the transfer of property involves transaction of the nature referred to in section 269AB(1)(b)—
 - (a) name and address of the co-operative society company or other association of persons
 - (b) date of becoming a member of and/or acquiring shares in co-operative society company or other association of persons
 - (c) number and face value of the shares
 - (d) if the transfer is otherwise than by way of transfer of share in a co-operative society, a company or other association of persons
 - (i) the nature of act having the effect of transferring or enabling the enjoyment of property
 - (ii) the date of which such act was performed (Attach statement setting out the terms of the agreement or arrangement)
8. Name and address of person(s), if any, in occupation of the property.

9. *Name and address of any other person(s) interested in the property.
- 10 Consideration for transfer
11. Estimated fair market value of the property.
12. If the transfer is by way of exchange, description and location of the thing or things for which the property is exchanged.
13. £ Fair market value of the thing or things mentioned against item 12.
14. If the consideration for transfer is less than the estimated fair market value, whether the transferee is a relative of the transferor, and, if so, indicate relationship and state whether the transfer for a consideration which is less than the fair market value is on account of natural love and affection.

.....
Signature(s) of the person(s) making
the statement.

VERIFICATION

I/We do hereby declare that what is stated above is true to the best of my/our knowledge and belief.

Verified today the day of 19

.....
Signature

NOTES :

1. @ If the space is insufficient, separate enclosure may be used for the purpose.

2. **Person interested" in relation to any immovable property, includes all persons claiming or entitled to claim an interest in the compensation payable on account of the acquisition of the property under Chapter XA of the Income-tax Act, 1961.

3. £ "Fair market value", in relation to any immovable property transferred, means the price that immovable property would ordinarily fetch on sale in the open market on the date of execution of the instrument of transfer of such property.

4. This statement should be signed by each of the parties to the transaction referred to in section 269AB(1) of the Income-tax Act, 1961 or by any of the parties to such transaction acting on behalf of himself and on behalf of the other parties. If the statement is signed only by one of such parties certified copy of document evidencing authority to act on behalf of other parties should be attached.

5. Verification should be made by all the parties signing the statement.

6. The statement should be made in duplicate and should be accompanied by two copies of contract resulting in the transaction of the nature referred to in section 269AB(1)(a) of the Income-tax Act, 1961 or, as the case may be, of a statement setting out the terms of the agreement or arrangement resulting in the transaction of the nature referred to in section 269AB(1)(b) of that Act".

[No. 4846 (F. No. 30/FB/81-TPI (Pt))]

E. K. KOSHI, Secy.

Central Board of Direct Taxes